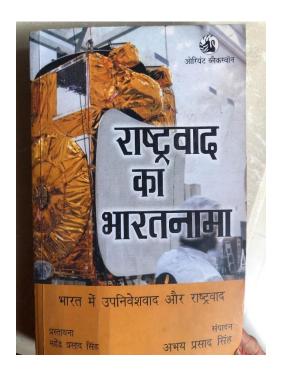
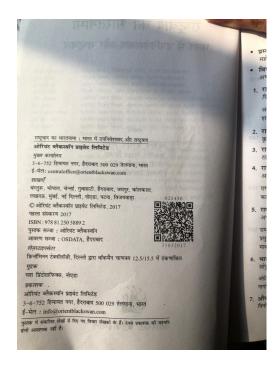
DEPARTMENT OF POLITICAL SCIENCE

Mrs. Neetu Sharma

2016 - 17

Chapter in book titled 'british bharat mein Janganna" in Rastravad ka bharatnama, edited by Abhay Prasad Singh. ISBN - 155-167978-81-250-5889-2





	77	
	THE PARTY NAMED IN	
विषय-क्रम		
 प्रस्तावना : आधुनिक भारतीय राज्य की विकासवादी पृष्ठभूमि महेंद्र प्रसाद सिंह 	(xi)	
 विषय प्रवेश : समकालीन विश्व में राष्ट्रवाद का दर्शन एवं राजनीति अभय प्रसाद सिंह 	(xxv)	
 राष्ट्र की संकल्पना ।: शास्त्रीय ग्रंथों में दिलीप कुमार झा 	1	
अपने-अपने राष्ट्र, राष्ट्र की अवधारणा, प्राचीन संस्कृत साहित्य में "राष्ट्र" शब्द का प्रयोग, भारत राष्ट्र, राष्ट्रीयता का स्वरूप		
2. राष्ट्र की संकल्पना II : बौद्ध ग्रंथों में कृष्ण मुरारी	14	
3. राष्ट्र की संकल्पना III: भारतीय साहित्य में स्तीशचंद्र झा	20	
4. राष्ट्र की संकल्पना IV: ऐतिहासिक अनुशीलन में आनन्द वर्द्धन	26	
राष्ट्रवाद का धर्मशास्त्रीय पक्ष राष्ट्रीय कला व स्थापत्य, राजा सकोंजी द्वितीय का सरस्वती मंडार एवं भारतीय वांडमय का संग्रह		
का सरस्वता भंडार एवं भारताच नाठ र 5. राष्ट्रवाद के विभिन्न उपागम : भारत के संदर्भ में	42	
अभय कुमार राष्ट्रवाद : एक आधुनिक संकल्पना, भारतीय राष्ट्रवाद के अध्ययन के राष्ट्रवाद : एक आधुनिक संकल्पना, भारतीय राष्ट्रवाद के अध्ययन के	7.57	
प्रमुख उपागम, काष्ट्रच चारामः मार्क्सवादी स्कूल, मूल्यांकन, सबआल्टनं उपागम मार्क्सवादी स्कूल, मूल्यांकन, सबआल्टनं उपागम मार्क्सवादी स्कूल, मूल्यांकन, सबआल्टनं उपागमन	66	
सीन कुनार — क शासन : आ पर		
अंग्रेजी सत्ता का सुर्शिकला, साधान्यवार पर्यात प्रवास नागरिक प्रशासन, कानून की स्थापना : सामजिक व्यवस्था 7. औपनिवरिशक भारत में आर्थिक एवं सामाजिक व्यवस्था निक्षत कमार सिन्ता	87	
7. औपनिवेशिक भारत न	1000	

पर्याप का प्रतानकार । पर्याप का प्रतान का प्रियान, कृषि के व्याप्तिमत्रीकारण का विस्तानों कृषि पर वार्योग्योग्या का प्रयाप, कृषि के व्याप्तिमत्रीकारण कृषि पर विस्तानों को बत्तारी विश्रोता, पृथ्वि-सर्वाप्तिकार पर प्रपाप, पार्टिमत्रीकारण । पर्याप्तिक वर्षण वेश्वाप्तिक पृथ्विकत्य । उद्योग्य पर्याप्तिकारण । प्रदाप्तवक वर्षण वेश्वाप्तिकारण, विश्वत व्याप्तिकारण । प्रधाप वर्षणी विष्याप्ति, प्रदाप्तिक वर्षणी व्याप्तिकारण, विश्वत व्याप्तिकारण । प्रधाप वर्षणी विष्याप्ति, प्रदाप्तिक वर्षणी वर्षणी वर्षणी वर्षणी वर्षणी वर्षणी वर्षणी	
सर प्रभाव, १८ ज्यानवेशावाद पर काल माक्स, आर्थर भारत में क्रिटिश उपनिवेशावाद पर काल माक्स, आर्थर भारतीय मत अर्थरण प्रभावन का उद्योग एवं व्यापार पर प्रभाव	13.
8. ह्वाटर कि विकट होता कि विकट वितर शासन : उद्योग, विश्व और व्यापार पर प्रमाव, जुट उद्योग, सूती कपड़ा वितर शासन : उद्योग, विश्व और व्यापार पर प्रमाव, जुट उद्योग, सुती क्षेप इंदिया, ज्ञाप, सोडा और इस्पाव उद्योग, इ कैंद्रिय इकोर्गीमफ हिस्सी और्थांगिक पूँजीपति वर्ग शासन में उद्योग और व्यापार का संदर्भ में भारतीय और्थांगिक पूँजीपति वर्ग	25
का विकास 9. अंग्रेजों का सध्यताकरण मिशन	40
रंजीत कुमार सम्प्रकासरण का ऑपियत, सम्राज्यवादी विचारभाव : उपयोगतावादी एवं सिक्सी, आपुषिक शिक्षा एवं मिशनती, ब्रिटिश शासन में सबसीति: कानून. भार्मिक एवं सामाधिक स्थिति	1
 ब्रिटिश भारत में जनगणना नीतृ शर्मा जनगणना सर्वेक्षण : आरीभक चरण (1780-1870), आधुनिक जनगणना 	155
प्रक्रिया का विकास (1871-1901 तक), 1901 के पश्चात् (1901-1941) 11. राष्ट्रीय आंदोलन में महिलाओं की भूमिका	168
11, राष्ट्राय आवालन म माहलाजा यन भूरणना पिकी पूनिया समाज सुधार आंदोलन और महिला प्रश्न, राष्ट्रीय आंदोलन में महिला	
सहभागिता का पहला दौर, स्वदेशी आंदोलन, असहयाग आदालन, मार्थन संगठनों का गठन, राष्ट्रीय आंदोलन में महिला सहभागिता का दूसरा दौर और महिला महे. सविनय अवजा आंदोलन कार्तिकारी और कम्युनिस्ट आंदोलन	
में महिला भागीदारी, भारत छोड़ो आंदोलन, भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन में	